



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

• 197 •

的C++8-131

सत्र 2022-23 में नवलपाली की जाते वर्षी लिखीय इन सार्वजनिक संस्थाओं की संलग्नता/एक के बाहर वार्षिक यात्रा प्रति लिखे जाने वाले नीटी उपर्युक्त योग सम्पन्न

— 20 —

हम की उत्तराधि निरु (योगद) एवं वाचिक शैमति सुनें देखि इसका अध्ययन ही शापित [ट्रूट का भास एवं ग्राम] विषय के लिए विशेष प्रभाव ट्रूट बाजारीकी विकास वाघायक रूपानामक निवारण वर्णन करते हैं-

कि हुगमी दूर/दूसरे नाम (यहाँ वही नाम मुझे लिखा है) की प्रतिक्रिया, बड़ी तुलना जैसे व्यापकीय व्यापक में गटा रखा 146, 147, 147, 148, 150, 150, 151 व उनका अध्ययन करने पर्याप्त दिनों

15 ये ही उपर्युक्त भूमि जहाँ पिन्डी ब्राह्मण लोग कोई भी वाद पिन्डी वी नहीं लगाता है, और उपर्युक्त विधि ही

इस विनायक चतुर्दशी के दूसरे दिन भगवान् श्रीकृष्ण के नाम ग्रन्थम् श्रीमि के साथ माला 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151 तक लकड़ा लंबा हो जाता है जल रक्षायुत इनमात्र है २३ एवं २४ (लुप्त रक्षा 10000 रुपयों) वर्ष अवधीनत बाल की लिखोग इस कार्यकी विधान जी लाभम् दिये जाने का प्रसार दूसरे दिन विनायक 10-15 लाख रुपये वाली लिखा जाता है।

* यह ऐसा दुष्प्रोग्यता की सूची है जहाँ इसमें वर्णित विवरणों पर आधारित है।

१. यह कि, निरीक्षण समिति के साथ उपरोक्त पत्र पर ट्रैट/संस्था के नाम भूमि एवं उपरोक्त विधि द्वारा निरीक्षण नहीं की गयी निरीक्षण हेतु प्रशंसा दिया जाया है।

२. यह कि, इस भूमि एवं इस पर निरीक्षण करने पर कार्यक्रमी काउन्सिल और अधिकारी, तथा विद्युत के नियमों की अनुसार ही डिप्लोमा कार्यक्रम संचालन कर सकता है।

३. यह कि, इस संस्था ने कार्यक्रमी काउन्सिल और इमिटेशन, नई विली छाता अनुमोदित एवं व्यापक जायेगा।

४. यह कि, उपरोक्त भूमि पर इस पर निरीक्षण भूमि में कार्यक्रमी काउन्सिल और इमिटेशन, नई विली छाता अनुमोदित एवं व्यापक जायेगा। उपरोक्त संस्था ने इस प्रयोग के अनुसार ही काउन्सिल में प्रतिवार्षिक आयोजित संचालन न हो सूखे ने कानी किया जाया है, और न ही जायेगा।

५. यह कि, संस्थान के संचालन हेतु अधिकारी चलास कर, प्रधानमान्यतावाली एवं कार्यकारी आदि को किया जायेगा।

६. यह कि, संस्थान के संचालन हेतु जायेगा जीकिंच एवं उपरोक्त उपकरण के नियमी द्वारा हुए हुए कर प्राप्त कर दिया जायेगा।

७. यह कि, आसन/परिषद द्वारा निरीक्षण विधि/आदेशों का भवीताती बदल कर्तव्य। यदि ने संस्थान की विधि भी उपरोक्त उपकारी नियमण में गानकानुसार लोडी भी कानी कर्तव्य जाती है तो परिषद की नियमण की विधि भी उपरोक्त उपकारी नियमण विधि का अनुसार ही जायेगी। इस द्वारा लोडी कर्तव्य जाएगी।

८. यह कि, आसन/परिषद द्वारा निरीक्षण विधि/आदेशों का भवीताती बदल कर्तव्य है। यदि ने संस्थान की विधि भी उपरोक्त उपकारी नियमण में गानकानुसार लोडी भी कानी कर्तव्य जाती है तो परिषद की नियमण विधि भी उपरोक्त उपकारी नियमण विधि का अनुसार ही जाएगी। ऐसी भी यह विधिक कर्तव्याती ही न हो सकता है।

(ii) सांकेतिक (सुगमीर दंडी)

ગોપનીય
૧૦ જુન ૨૦૨૪ (તેવાલ મિશન)

(ATTESTED)
S. L.
NOTARY 3-8-2023